यशोदा अस्पताल, गाजियाबाद कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

यशोदा हॉस्पिटल, गाज़ियाबाद के परिसर में आप सब लोगों के बीच आकर मुझे प्रसन्नता है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा अपने मरीजों के अत्याधुनिक उपचार के लिए आधुनिक रोबोटिक मशीनों का आज अनावरण किया गया है। इसके लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूँ।

किसी भी राष्ट्र और समाज को विकसित बनाने के लिए उसकी स्वास्थ्य सेवाओं का विकसित होना अत्यंत आवश्यक है। जब हमारे देश के लोगों को इलाज के लिए आधुनिक अस्पताल मिलेंगे, आधुनिक सुविधाएं मिलेंगीं, इलाज सस्ता होगा तो लोग अधिक स्वस्थ होंगे, और स्वस्थ नागरिक मिलकर खुशहाल राष्ट्र का निर्माण करेंगे।

पिछले 30 से अधिक वर्षों से यशोदा अस्पताल गाजियाबाद और देश के कई क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहा है। आम जन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ इलाज देने के साथ आप निरंतर अपनी उपचार तकनीकों का विस्तार कर रहे हैं।

यही कारण है कि आपका अस्पताल आज गाजियाबाद ही नहीं बल्कि पूरे NCR के अंदर एक प्रतिष्ठित अस्पताल है। यह अपनी अपडेटेड तकनीकों और उच्च सेवाओं के लिए जाना जाता है। मैं इसके लिए आपकी सराहना करता हूँ।

साथियों, समय के साथ-साथ देश और दुनिया में चिकित्सा पद्धति में बड़ा बदलाव हुआ है। नई-नई मशीनों के आने से सर्जरी और ऑपरेशन अधिक सुरक्षित हुए हैं। बीमारी की जाँच और पहचान और उसके बाद उपचार अब आसान हुई है।

हम कई वर्षों से कह रहे हैं कि यह साइंस का युग है, लेकिन मैं कहूँगा कि यह एडवांस साइंस का युग है। आज जो काम मानव कर सकता है, उससे भी अधिक दक्ष तरीके से रोबोट वैसा काम कर रहे हैं। रोबोटिक्स और आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस ने पूरी की पूरी दुनिया ही बदलकर रख दी है।

चिकित्सा पद्धति सिर्फ विज्ञान ही नहीं, बल्कि कला भी है और एक तकनीक भी है। इलाज से जुड़ी तकनीक लोक केन्द्रित और मानवता के लिए होनी चाहिए, हमें बस यह ध्यान रखना है। तकनीक का सही

उपयोग हो और मानवता का कल्याण हो तो ये हमारे लिए वरदान की तरह ही है।

आज दूरबीन चिकित्सा, लेसर तकनीक, रेडियॉलॉजी, कीमोथैरेपी जैसी तकनीकों ने इलाज को प्रभावी और उच्च गुणवत्ता का बना दिया है।

बदलते परिप्रेक्ष्य में यदि विज्ञान में सबसे अधिक बदलाव हो रहा है तो चिकित्सा विज्ञान में ही हो रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है कि तकनीकों के उपयोग से न सिर्फ इलाज को बेहतर तरीके से किया जा सकता है, बल्कि आज मेडिकल साइंस आज अधिक लोगों के लिए पहुंच के अंदर भी हुआ है।

यशोदा अस्पताल और देश के अलग अलग हिस्सों में ऐसे कितने ही अस्पताल हैं जो जनता के लिए सहज और उचित मूल्य वाली हेल्थ care उपलब्ध करा रहा है। ऑपरेशन थिएटरों में आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से आज जहाँ पेशेंट का इलाज बेहतर हो रहा है, वहीं डॉक्टर्स भी अधिक सुनिश्चितता और सटीकता से ऑपरेशन कर पा रहे हैं। मैंने इन दिनों में कहीं पढ़ा कि मेडिकल साइंस में तकनीक का प्रयोग इस लेवल पर हो रहा है कि आज ब्रेन ट्रांसप्लांट (मस्तिष्क प्रत्यर्पण) भी संभव है जिसके दूरगामी परिणाम होंगे।

सर्जरी यानी शल्य चिकित्सा में कारगर नई तकनीकों के ज़रिये अब उन जटिल चुनौतियों का भी समाधान ढूंढा जा रहा है, जिनका सामना शल्य चिकित्सकों (सर्जन) को इलाज के दौरान करना पड़ता है।

साथियो, एक समय था जब कैंसर को भयानक जानलेवा बीमारी माना जाता था। जब कैंसर का इलाज संभव नहीं था, उसकी जाँच भी सरल नहीं थी। मगर मेडिकल साइंस में तकनीक के उपयोग से आम जन को कई तरह की सुविधाएं हुई हैं।

आज कैंसर की जाँच एक एमआरआईसे हो जाती है। शुरुआती स्टेज में कैंसर का पता चल जाता है तो उसका इलाज भी संभव हो जाता है। आम और गरीब आदमी को जीवन गवाना नहीं पड़ता, क्योंकि आज कैंसर का प्रभावी इलाज संभव हुआ है।

मित्रो, आज चिकित्सा के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष देशों में शामिल है। भारत विश्व की बड़ी फार्मा इंडस्ट्री है। हमारे यहाँ वैक्सीन उत्पादन का काम बड़े स्तर पर हो रहा है।

दुनिया भर से कई देशों के लोग इस उम्मीद से भारत आते हैं कि यहाँ उन्हें सस्ता और गुणवत्ता युक्त इलाज मिल सकेगा। हमारा देश जो अब

तक अपनी संस्कृति, ज्ञान, सभ्यता, अध्यात्म के लिए जाना जाता था, आज भारत मेडिकल हब के रूप में भी जाना जाता है।

हमारे देश में मेडिकल टूरिज़म बढ़ रहा है। देश में बढ़ रहे मेडिकल टूरिज़म में हमारे डॉक्टर्स, हमारे मेडिकल स्टाफ की सबसे बड़ी भूमिका है। भारत के डॉक्टर्स दुनिया में सबसे कुशल हैं, अगर मैं ये कहूँ, तो किसी को अचरज नहीं होना चाहिए।

दुनिया के जितने भी बड़े-विकसित देश हैं, उन देशों में हमारे डॉक्टर्स अपनी सेवाएं दे रहे हैं। भारत के डॉक्टर्स दुनिया भर में भारत की ख्याति बढ़ा रहे हैं।

हाल ही के वर्षों में हमारा देश चिकित्सा संबंधी ज्ञान और तकनीक का भी मुख्य केंद्र बनकर उभरा है।

भाभा परमाणु शोध केंद्र (बीएआरसी) और नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान जैसे संस्थानों के वैज्ञानिक रेडियोएक्टिव चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में सक्रियतापूर्वक काम कर रहे है।

नाभिकीय चिकित्सा की मदद से हम कई गंभीर बीमारियों का पता लगाने और उनके इलाज में काफी समय और संसाधन बचा सकते है।

ये चिकित्सा पद्धतियां भविष्य में बड़ा बदलाव लेकर आएगी, इसकी पूरी संभावना है।

साथियो, आज भारत दुनिया में आबादी के हिसाब से दूसरा बड़ा देश है। हमारे यहाँ दुनिया की सबसे बड़ी कार्यशील जनसंख्या है। इसीलिए हम कहते हैं कि हमारी डेमोक्रेसी और डेमोग्राफी हमारी ताक़त है।

हमारी डेमोग्राफी में वो क्षमता है जो भारत को दुनिया के शीर्ष पर पहुँचा सकती है, लेकिन इसके लिए ज़रूरी है कि देश के सभी नागरिक शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहे।

हर एक नागरिक के लिए स्वास्थ्य सेवा सुलभ हो, इसके लिए हम एक राष्ट्र के तौर पर गंभीर प्रयास कर रहे हैं। बीते कुछ वर्षों का हेल्थ डेटा देखें तो हमने स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की की है।

देश में मातृ-शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है, पोलियो मुक्त होकर अब भारत 2025 तक टीबी मुक्त राष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दुनिया का सबसे बड़ा और व्यवस्थित टीकाकरण अभियान चलाकर भारत ने कोरोना को हराया है। 200 करोड़ से ज़्यादा कोविड वैक्सीन

डोज़ देश भर में लग चुकी है। हमने अपने स्तर पर रिकॉर्ड वैक्सीन का उत्पादन किया है, प्रत्येक व्यक्ति तक वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित की है। यह निश्चित तौर पर हमारे लिए गौरवशाली है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में हम किस तरह से और अधिक सुधार ला सकते हैं, इस दिशा में अभी हमें अधिक रिसर्च करने की आवश्यकता है।

मैं समझता हूँ कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एआईऔर 5जी जैसी आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से सुविधा बढ़ेगी, हम अपनी आबादी संबंधी डेटा का सटीक विश्लेषण कर सकेंगे जिससे अधिक से अधिक लोगों को हम प्रभावी रियल-टाइम उपचार दे सकेंगे।

टेलीहेल्थ, ड्रोन तकनीक, इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स (आईओएमटी) जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से हम देश में बीमारियों से जुड़ी प्रोफाइल तैयार कर पाएंगे। किस क्षेत्र में किस व्यक्ति को कौन-सी बीमारी है। उसके वंश में वह बीमारी, ब्लड ग्रुप जैसी विस्तृत स्वास्थ्य सूचनाओं को हम व्यवस्थित रूप से तैयार कर पाएं, देश के हर नागरिक का मेडिकल कार्ड हो।

यदि हमारे देश में हर नागरिक का मेडिकल कार्ड मौजूद होगा तो जब भी हमारा कोई नागरिक बीमार होगा, तो उसकी पूरी मेडिकल हिस्ट्री का पता लग सकेगा। यदि यह संभव हो जाए, तो इलाज और अधिक प्रभावी और गुणवत्ता पूर्ण होगा।

साथियो, मैं समझता हूँ कि जिस स्पीड से आज मेडिकल साइंस तरक्की कर रहा है, जिस स्पीड से मेडिकल में तकनीक का समावेश हो रहा है।

हम इन उपायों की तरफ जल्द ही बढ़ सकेंगे और अपने हर एक नागरिक को स्वास्थ्य का अधिकार दे पाएंगे।

लंबे समय से देश में ये आकांक्षा रही है कि हमारे देश में हेल्थकेयर का एक ऐसा सिस्टम हो जो गरीब से गरीब की भी चिंता करता हो। एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था जो गरीब के स्वास्थ्य की चिंता करे, गरीब को बीमारियों से बचाए, बीमारी हुई तो फिर उसको उत्तम इलाज सुलभ कराए। किसी भी देश का हेल्थ केयर सिस्टम तभी मजबूत होता है, जब वो हर तरह से समाधान दे, कदम-कदम पर उसका साथ दे।

साथियो, इन वर्षों में जैसे जैसे तकनीक ने प्रगति की है, हमारे देश ने भी इस दिशा में तेजी से तरक्की की है। आज होलिस्टिक हेल्थ केयर

हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश में हर व्यक्ति का उन्नत इलाज आज हमारी प्राथमिकता है।

देश में लगातार मेडिकल कॉलेज, एम्स की संख्या बढ़ रही हैं, मेडिकल की सीटें बढ़ रहीं हैं। अधिक प्रशिक्षित डॉक्टर्स देश में तैयार हो रहे हैं।

30 से भी अधिक वर्षों से जिस प्रतिबद्धता और निष्ठा के साथ यशोदा अस्पताल ने अपने रोगियों को उन्नत चिकित्सा देखभाल प्रदान की है, मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी अपनी इस निष्ठा को आप और अधिक बढ़ाएंगे। निश्चय ही आप तकनीक और नवाचार के प्रयोग से मेडिकल साइंस में अपना योगदान देते रहेंगे। रोबोटिक सर्जरी की जो पहल आपने अपने अस्पताल में की है, मैं इसकी सफलता की कामना करता हूँ।

आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित कुशल डॉक्टरों, सर्जनों, चिकित्सकों, नर्सों, रिसर्च scholars और सम्पूर्ण मेडिकल स्टाफ को मैं अपनी बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद। जय हिंद।